

# सुखावतीव्यूह

། །ཀྱུ་གར་སྐད་དུ། །ལྷ་ཅུ་སྤྲུལ་བ་ཏེ་བྱུ་ཏུ་ལྷ་མ་མ་སྤྲུ་ལྷ་ལྷ་སྤྲུ་ཏུ།  
བོད་སྐད་དུ། །འཕགས་པ་བདེ་བ་ཅན་གྱི་བཀོད་པ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ།

## 梵藏漢對勘佛說阿彌陀經

V 1.3



北塔藏文班 編校

北塔佛學寶藏 <http://www.beita.org/>

2010 年 11 月

## 梵文本

Vaidya, Dr. P.L ed. *Buddhist Sanskrit Texts* No. 17 *Mahāyāna-sūtra-saṃgrahaḥ* (part 1).  
Darbhanga: The Mithila Institute, 1961 (Digital Sanskrit Canon of Western University)

## 藏文本

夏埧仁波切校勘版本  
德格版《甘珠爾》經部第五十一函，No.115

## 漢文本

【什】姚秦三藏法師鳩摩羅什譯：《佛說阿彌陀經》，《大正藏》第十二冊  
【奘】唐三藏法師玄奘譯：《稱讚淨土佛攝受經》，《大正藏》第十二冊  
依 CBETA 2009 版校注，對照漢地通行本校勘。

漢文本順序依梵文本和藏文本而有所調整。

### ॥ सुखावतीव्यूह ॥

༄༅། རྒྱ་གར་སྐད་སྲུ ལྷ་ཅུ་སྲུ་ཁྲི་བུ་ཉ་རྒྱ་མ་མ་རྒྱ་ལྷ་ན་སྲུ་ཤ།  
འོད་སྐད་སྲུ འཕགས་པ་བདེ་བ་ཅན་གྱི་བཀོད་པ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ།

【什】佛說阿彌陀經

【奘】稱讚淨土佛攝受經

### ॥ नमः सर्वज्ञाय ॥ ①

སངས་རྒྱས་དང་བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་ཐམས་ཅད་ལ་སྲུག་འཚལ་ལོ།<sup>②</sup>

【什】(無)

【奘】(無)

### एवं मया श्रुतम् । एकस्मिन्समये

འདི་སྐད་བདག་གིས་ཇོས་པ་དུས་གཅིག་ན།

【什】如是我聞。一時

【奘】如是我聞。一時

### भगवाञ्श्रावस्त्यां वहरति स्म जेतवने ऽनाथपण्डदस्यारामे महता भिक्षुसंघेन

སའུ་མ་ལྷན་འདས་མཉན་ཡོད་ན། རྒྱལ་སུ་རྒྱལ་སྲེད་གྱི་ཚལ་མགོན་མེད་ཟས་སྦྱིན་གྱི་ཀུན་དགའ་ར་བ་ན།

དགེ་སློང་སློང་ཉིས་བརྒྱ་ལྔ་བཅུའི་དགེ་སློང་གི་དགེ་འདུན་ཆེན་པོ་གནས་བརྟན་ཉན་ཇོས་ཆེན་པོ་དག་བཅོམ་པ་  
ཤ་སྟག་ལ་འདི་ལྟ་སྟེ།

【什】佛在舍衛國祇樹給孤獨園，與大比丘僧千二百五十人俱，皆是大阿羅漢，眾所知識。

【奘】薄伽梵在室羅筏住誓多林給孤獨園，與大苾芻眾千二百五十人俱，一切皆是尊宿聲聞，眾望所識。

### तद्यथा स्थविरेण च शारिपुत्रेण महामौद्गल्यायेन च महाकाश्यपेन च महाकप्फिणेन च

མཁའ་ཏཱ་ཤེ་ལྷན་ལྷན་གྱི་སྲུ་ཆེན་པོ་དང་། འོད་སྲུང་ཆེན་པོ་དང་། ཀླ་ཏུའི་སྲུ་ཆེན་པོ་དང་།

མཁའ་ཏཱ་ཤེ་ལྷན་ལྷན་གྱི་སྲུ་ཆེན་པོ་དང་། འོད་སྲུང་ཆེན་པོ་དང་། ཀླ་ཏུའི་སྲུ་ཆེན་པོ་དང་།

### संबहुलैर्महाश्रावकैः

གནས་བརྟན་ལྷན་ལྷན་གྱི་སྲུ་ཆེན་པོ་དང་། འོད་སྲུང་ཆེན་པོ་དང་། ཀླ་ཏུའི་སྲུ་ཆེན་པོ་དང་།

① 意為：敬禮一切智。

② 意為：敬禮一切佛菩薩。

ཀ་མི་ན་ཆེན་པོ་དང་། གསུམ་པོ་ཆེ་དང་། ཉན་གྲུ་དང་། ལམ་ཐོག་བསྟན་དང་། དགའ་པོ་དང་།  
ཀུན་དགའ་པོ་དང་། སྤྲོ་གཅན་ཟིན་དང་། བ་ལང་བདག་དང་། ལྷ་ར་རྣམ་པོ་དང་། འཆར་བྱེད་ནག་པོ་དང་།  
བ་གྲུ་ལ་དང་། མ་འགགས་པ་དང་། དེ་དག་དང་། ཉན་པོ་མ་ཆེན་པོ་གཞན་དག་དང་།

【什】長老舍利弗、摩訶目犍<sup>①</sup>連、摩訶迦葉、摩訶迦旃延、摩訶拘絺羅<sup>②</sup>、離婆多、周利槃陀伽<sup>③</sup>、難陀、阿難陀、羅睺羅、憍梵波提、賓頭盧頗羅墮、迦留陀夷、摩訶劫賓那、薄俱羅、阿菴樓駄，如是等諸大弟子，

【奘】其名曰尊者舍利子、摩訶目犍連、摩訶迦葉、阿泥律陀，如是等諸大聲聞而為上首，

संबहुलैश्च बोधिसत्त्वैर्महासत्त्वैः । तद्यथा मञ्जुश्रिया च कुमारभूतेनाजितेन च बोधिसत्त्वेन  
गन्धहस्तिना च बोधिसत्त्वेन नित्योद्युक्तेन च बोधिसत्त्वेनानिक्षिप्तधुरेन च बोधिसत्त्वेन ।  
एतैश्चान्यैश्च संबहुलैर्बोधिसत्त्वैर्महासत्त्वैः ।

བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་སེམས་པ་ཆེན་པོ་མང་པོ་ལ་འདི་ལྟ་ལྟེ། འཇམ་དཔལ་གཞོན་ཏུར་གྱུར་པ་དང་།  
བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་སེམས་དཔའ་ཆེན་པོ་མི་པམ་པ་དང་། བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་སེམས་དཔའ་ཆེན་པོ་  
སྟོས་ཀྱི་སྤྲང་པོ་དང་། བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་སེམས་དཔའ་ཆེན་པོ་རྟག་ཏུ་བརྩོན་དང་། བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་  
སེམས་དཔའ་ཆེན་པོ་བརྩོན་པ་མི་འདོར་བ་དང་། དེ་དག་དང་བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་སེམས་དཔའ་ཆེན་པོ་  
གཞན་མང་པོ་དག་དང་།

【什】並諸菩薩摩訶薩。文殊師利法王子、阿逸多菩薩、乾陀訶提菩薩、常精進菩薩。與如是等諸大菩薩，

【奘】複與無量菩薩摩訶薩俱。其名曰妙吉祥菩薩、無能勝菩薩、常精進菩薩、不休息菩薩。如是等諸大菩薩，

शक्रेन च देवानामिद्रेन ब्रह्मना च सहांपतिना ।

एतैश्चान्यैश्च संबहुलैर्देवपुत्र नयुतशतसहस्रैः ॥ १ ॥

ལྷ་འི་དབང་པོ་བརྒྱ་བྱེན་དང་། མི་མཛེད་ཀྱི་བདག་པོ་ཚངས་པ་དང་། དེ་དག་དང་ལྷ་བྱེ་བ་ཁྲག་ཁྲིག་འབྲུམ་སྟག་  
མང་པོ་གཞན་དག་དང་ཡང་ཐབས་ཅིག་ཏུ་བཞུགས་ཏེ།

【什】及釋提桓因等，無量諸天大眾俱。

【奘】複有帝釋大梵天王、堪忍界主、護世四王，百千俱胝那庾多數諸天子眾，及餘世間無量天、人、阿素洛等，為聞法故，俱來會坐。

तत्र खलु भगवानायुष्मन्तं शारिपुत्रमामन्त्रयति स्म ।

① 犍【宋】【元】【明】，乾【大】。

② 俱【宋】【元】【明】，拘【大】。

③ 周利槃陀伽【宋】【元】【明】，周利槃陀迦【大】。

དེ་ནས་བཙུགས་ལྷན་འདས་ཀྱིས་ཆེ་དང་ལྷན་པ་ལྷུ་རིའི་བྱ་ལ་བཀའ་སྤྲུལ་བ།

【什】爾時佛告長老舍利弗，

【奘】爾時世尊告舍利子，

अस्ति शारिपुत्र पश्चिमे दिग्भाग इतो बुद्धक्षेत्रं कोटिशतसहस्रं बुद्धक्षेत्रानामतिक्रम्य सुखावती  
नाम लोकधातुः।

ལྷུ་རིའི་བྱ་སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཞིང་འདི་ནས་རྒྱ་བཟོ་གས་ལོ་གས་སུ་སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཞིང་གྱེ་བ་ཁྲག་ཁྲིག་སྤྲུལ་འབྲུམ་ལ་  
འདས་པ་ན་འདི་ག་རྟེན་གྱི་ཁམས་བདེ་བ་ཅན་ཞེས་བྱ་བ་ཡོད་དེ།

【什】從是西方過十萬億佛土，有世界名曰極樂。

【奘】汝今知不？於是西方去此世界，過百千俱胝那庾多佛土，有佛世界名曰極樂。

तत्रामितामितायुर्नाम तथागतो ऽर्हन्सम्यक्संबुद्ध एतर्हि तिष्ठति ध्रियते यापयति धर्मं च  
देशयति।

དེ་ན་དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་དག་བཙུགས་པ་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་སངས་རྒྱས་ཆེ་དཔག་མེད་ཅེས་བྱ་བ་  
བཞུགས་ཏེ་འཚོ་ཞིང་ག་ཞེས་ལ་ཚོས་ཀྱང་སྟོན་ཏོ།

【什】其土有佛號阿彌陀，今現在說法。

【奘】其中世尊名無量壽及無量光如來應正等覺，今現在彼安隱住持，為諸有情宣說甚深微妙  
之法，令得殊勝利益安樂。

तत्किं मन्यसे शारिपुत्र केन कारणेन सा लोकधातुः सुखावतीत्युच्यते।

ལྷུ་རིའི་བྱ་འདི་རི་སྣམ་དུ་སེམས། འདི་ག་རྟེན་གྱི་ཁམས་དེ་ཅིའི་སྤྱིར་བདེ་བ་ཅན་ཞེས་བྱ་ཞེན།

【什】舍利弗，彼土何名為極樂？

【奘】又舍利子，何因何緣，彼佛世界名為極樂？

तत्र खलु पुनः शारिपुत्र सुखावत्यां लोकधातौ नास्ति सत्त्वानां कायदुःखं न  
चित्तदुःखमप्रमाणान्येव सुखकारणानि।

ལྷུ་རིའི་བྱ་འདི་ག་རྟེན་གྱི་ཁམས་བདེ་བ་ཅན་དེ་ན་སེམས་ཅན་ལ་སྤྲུལ་བསྤུལ་མེད།  
སེམས་ལ་སྤྲུལ་བསྤུལ་མེད་ཅིང་བདེ་བའི་རྒྱ་ཚད་མེད་པར་ཡོད་དེ།

【什】其國眾生無有眾苦，但受諸樂，

【奘】舍利子，由彼界中諸有情類無有一切身心憂苦，唯有無量清淨喜樂，

तेन कारणेन सा लोकधातुः सुखावतीत्युच्यते ॥ २ ॥

དེའི་སྤྱིར་འདི་ག་རྟེན་གྱི་ཁམས་བདེ་བ་ཅན་ཞེས་བྱའོ།།

【什】故名極樂。

【奘】是故名為極樂世界。

पुनरपरं शारिपुत्र सुखावती लोकधातुः सप्तभिर्वेदिकाभिः सप्तभिस्तालपङ्क्तिभिः  
किङ्किणीजालैश्च समलंकृता समन्ततोऽनुपतिक्षिप्ता चित्रा दर्शनीया चतुर्णां रत्नानाम्।  
ལྷ་རེ་འི་སུ་གཞན་ཡང་འདྲི་གཏེན་གྱི་ཁམས་བདེ་བ་ཅན་ནི་ཁ་སྐྱེར་རིམ་པ་བདུན་དང་། ལེང་ཏ་ལའི་སྤེང་བ་  
རིམ་པ་བདུན་དང་། རྩིལ་སུ་གཡེར་ཀའི་བྱ་བ་རྣམས་གྱིས་གུན་ནས་ཡོངས་སུ་བསྐྱོར་བ། བག་བ་བལྟ་ན་  
སྤྱུག་པའོ། །

【什】又舍利弗，極樂國土七重欄楯、七重羅網、七重行樹，皆是四寶周匝圍繞，是故彼國名為極樂。

【奘】又舍利子，極樂世界淨佛土中處處皆有七重行列妙寶欄楯，七重列寶多羅樹，及有七重妙寶羅網，

तद्यथा सुवर्णस्य रूप्यस्य वैडूर्यस्य स्फटिकस्य।  
ལྷ་རེ་འི་སུ་སངས་རྒྱས་གྱི་ཞིང་དེ་ནི་རིན་པོ་ཆེ་སྣ་བཞི་ལ་འདྲི་ལྷ་སྟེ།  
གསེར་དང་། དུལ་དང་། འེ་རྩུ་རྩུ་དང་། ལེལ་དང་།

【什】(無)

【奘】周匝圍繞四寶莊嚴，金寶、銀寶、吠瑠<sup>①</sup>璃寶、頗胝迦寶，妙飾間綺。

एवंरूपैः शारिपुत्र बुद्धक्षेत्रगुणव्यूहैः समलंकृतं तद्बुद्धक्षेत्रम् ॥ ३ ॥  
རྣམ་པ་དེ་ལྷ་སུ་འི་སངས་རྒྱས་གྱི་ཞིང་གི་ཡོན་ཏན་བཀོད་པ་དག་གིས་ལེགས་པར་བརྒྱན་པའོ།།

【什】(無)

【奘】舍利子，彼佛土中有如是等眾妙綺飾功德莊嚴，甚可愛樂，是故名為極樂國土。

पुनरपरं शारिपुत्र सुखावत्यां लोकधातौ सप्तरत्नमय्यः पुष्करिण्यः।  
ལྷ་རེ་འི་སུ་གཞན་ཡང་འདྲི་གཏེན་གྱི་ཁམས་བདེ་བ་ཅན་ནི་རིན་པོ་ཆེ་སྣ་བདུན་གྱི་རྫིང་།

【什】舍利弗，極樂國土有七寶池，

【奘】又舍利子，極樂世界淨佛土中，處處皆有七妙寶池，

तद्यथा सुवर्णस्य रूप्यस्य वैडूर्यस्य स्फटिकस्य लोहितमुक्तस्याश्मगर्भस्य मुसारगल्वस्य  
सप्तमस्य रत्नस्य।<sup>②</sup>

(藏文本無)

① 瑠【宋】【元】【明】，琉【大】。下同。

② 意為：“(七寶)亦即金、銀、琉璃、玻瓈、碑磬、赤珠、碼碯。”

【什】(無)

【奘】(無)

अष्टाङ्गोपेतवारिपरिपूर्णाः समतीर्थकाः काकपेयाः सुवर्णवालुकासंस्तृताः।

ཡན་ལག་བརྒྱད་དང་ལྗན་པའི་རྩམ་ཡོངས་སུ་གང་བ། རིན་པོ་ཆེའི་བད་མས་ཁེབས་པ། འུ་རོ་ག་གིས་བཏུང་དུ་  
རུང་བར་ཁང་ཆད་དུ་གྱུར་བ་གསེར་གྱི་བྱེ་མ་བདལ་བ་དག་ཡོད་དེ།

【什】八功德水充滿其中，池底純以金沙布地，

【奘】八功德水彌滿其中。何等名為八功德水？一者澄淨，二者清冷，三者甘美，四者輕軟，  
五者潤澤，六者安和，七者飲時除饑渴等無量過患，八者飲已定能長養諸根四大、增益  
種種殊勝善根。多福眾生常樂受用。是諸寶池底布金沙，

तासु च पुष्करिणीषु समन्ताच्चतुर्दिशं चत्वारि सोपानानि चित्राणि दर्शनीयानि चतुर्णां

रत्नानाम् । तद्यथा सुवर्णस्य रूप्यस्य वैडूर्यस्य स्फटिकस्य ।

རྗེ་དེ་དག་གི་ཕྱོགས་བཞི་ཀུན་ན་ཐེམ་སྐྱས་བཟ་བ། བལྟ་ན་སྐྱུག་པ། གསེར་དང་། དུལ་དང་། འུ་རུ་ཅུ་དང་།  
ཤེལ་དང་། རིན་པོ་ཆེ་སྐྱ་བཞི་ལས་བྱས་པ་བཞི་བཞི་ཡོད་དོ། །

【什】四邊階道，金、銀、琉璃、玻瓈<sup>①</sup>合成。上有樓閣，亦以金、銀、琉璃、玻瓈、碑磔<sup>②</sup>、  
赤珠、碼碯<sup>③</sup>而嚴飾之。

【奘】四面周匝有四階道，四寶莊嚴甚可愛樂。

तासां च पुष्करिणीनां समन्ताद्रत्नवृक्षा जाताश्चित्रा दर्शनीयाः सप्तानां रत्नानाम् । तद्यथा

सुवर्णस्य रूप्यस्य वैडूर्यस्य स्फटिकस्य लोहितमुक्तस्याश्मगर्भस्य मुसारगल्वस्य सप्तमस्य  
रत्नस्य ।

རྗེ་དེ་དག་གི་འགྲམ་ན་རིན་པོ་ཆེའི་ཤིང་ལྗོན་པ་རིན་པོ་ཆེ་སྐྱ་བདུན་ལ་འདི་ལྟ་སྟེ། གསེར་དང་། དུལ་དང་།  
འུ་རུ་ཅུ་དང་། ཤེལ་དང་། ལྷ་ཉིག་དམར་པོ་དང་། རྗེའི་སྐྱེང་པོ་དང་། སྐྱུག་གི་ཤིང་བཟ་བ། བལྟ་ན་སྐྱུག་པ་དག་  
སྟེ་ས་སོ།

【什】(無)

【奘】諸池周匝有妙寶樹，間飾行列，香氣芬馥，七寶莊嚴，甚可愛樂。言七寶者，一金，二  
銀，三吠琉璃，四頗胝迦，五赤真珠，六阿濕摩揭拉婆寶，七牟娑落揭拉婆寶。

तासु च पुष्करिणीषु सन्ति पद्मानि जातानि नीलानि नीलवर्णानि नीलनिर्भासानि

नीलनिदर्शनानि ।

① 玻瓈【宋】【元】【明】，頗梨【大】。

② 碑磔【宋】【元】【明】，車璩【大】。

③ 碼碯【宋】【元】【明】，馬瑙【大】。





ལྷ་རིའི་སུ་གཞན་ཡང་འདི་ག་ཉེན་གྱི་ཁམས་བདེ་བ་ཅན་ན་ལྟའི་སིལ་སྣོན་གྱི་སྐྱོན་ཉལ་ཏུ་འབྱུང་ངོ། ས་ཚེན་པོ་ནི་གསལ་གྱི་ཁ་དོག་ལྷ་སུ་སྟེ་ཉམས་དགའ་བའོ། ། ལྷ་རིའི་སུ་སངས་རྒྱལ་གྱི་ཞིང་དེ་ནི་སངས་རྒྱལ་གྱི་ཞིང་གི་ལོན་ཉན་བཞོན་པ་རྣམས་ལ་དེ་ལྷ་སུ་དག་གིས་ལེགས་པར་བརྒྱན་པའོ།<sup>①</sup>

【什】又舍利弗！彼佛國土，常作天樂，黃金為地，

【奘】又，舍利子！極樂世界淨佛土中，自然常有無量無邊眾妙伎樂，音曲和雅甚可愛樂。諸有情類聞斯妙音，諸惡煩惱悉皆消滅，無量善法漸次增長，速證無上正等菩提。舍利子！彼佛土中有如是等眾妙綺飾，功德莊嚴甚可愛樂，是故名為極樂世界。又舍利子！極樂世界淨佛土中，周遍大地真金合成，其觸柔軟，香潔光明，無量無邊妙寶間飾。舍利子！彼佛土中有如是等眾妙綺飾，功德莊嚴甚可愛樂，是故名為極樂世界。

तत्र च बुद्धक्षेत्रे त्रिष्कृतो रात्रौ त्रिष्कृतो दिवसस्य पुष्पवर्ष प्रवर्षति दिव्यानां  
मान्दारवपुष्पाणाम्।

ལྷ་རིའི་སུ་གཞན་ཡང་སངས་རྒྱལ་གྱི་ཞིང་དེ་ནི་ལྷེན་ལན་གསུམ། མཚན་ལན་གསུམ་དུ་སྟའི་མེ་ཉོག་མན་དུ་ར་བའི་སྟའི་མེ་ཉོག་གི་ཚར་འབབ་པོ། །

【什】晝夜六時雨天<sup>②</sup>曼陀羅華。

【奘】又，舍利子！極樂世界淨佛土中，晝夜六時常雨種種上妙天華，光澤香潔，細軟雜色，雖令見者身心適悅而不貪著，增長有情無量無數不可思議殊勝功德。彼有情類，晝夜六時常持供養無量壽佛；

तत्र ये सत्त्वा उपपन्नास्ते एकेन पुरोभक्तेन कोटिशतसहस्रं बुद्धानां वन्दन्ति  
अन्याँल्लोकधातून् गत्वा।

དེར་སེམས་ཅན་གང་དག་སྟེ་ས་ལ་དེ་དག་གྲང་སྟོ་ལྷོ་གཅིག་བཞིན་དུ་སངས་རྒྱལ་གྱི་ཞིང་གཞན་དང་གཞན་དུ་དོང་སྟེ་སངས་རྒྱལ་གྱི་བ་སྤག་འབྲུམ་ལ་སྤག་འཚལ་ཞིང་།

【什】其土<sup>③</sup>眾生，常以清旦，各以衣祴盛眾妙華，供養他方十萬億佛；

【奘】每晨朝時，持此天華，於一食頃，飛至他方無量世界，

एकैकं च तथागतं कोटिशतसहस्राभिः पुष्पवृष्टिभिरभ्यवकीर्य पुनरपि तामेव  
लोकधातुमागच्छन्ति दिवाविहाराय।

དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་རེ་རེ་ལ་ཡང་མེ་ཉོག་སྟོན་སུ་གྱེ་བ་སྤག་འབྲུམ་མངོན་པར་འཇོར་ཉེ།

① 此處此句 ལྷ་རིའི་སུ་སངས་རྒྱལ་གྱི་ཞིང་དེ་ནི་སངས་རྒྱལ་གྱི་ཞིང་གི་ལོན་ཉན་བཞོན་པ་རྣམས་ལ་དེ་ལྷ་སུ་དག་གིས་ལེགས་པར་བརྒྱན་པའོ། 梵本及羅什本無，玄奘本有。

② 雨天【宋】【元】【明】，天雨【大】。

③ 土【元】【明】，國【大】。

གཏོར་ནས་ཉེན་མོ་གནས་པའི་ཕྱིར་སྐྱར་འདི་ག་ཉེན་གྱི་ཁམས་དེ་ཉིད་དུ་འདོད་དོ། །

【什】即以食時，還到本國，飯食經行。

【奘】供養百千俱胝諸佛，於諸佛所各以百千俱胝樹花<sup>①</sup>持散供養，還至本處遊天住<sup>②</sup>等。

एवंरूपैः शारिपुत्र बुद्धक्षेत्रगुणव्यूहैः समलंकृतं तद्बुद्धक्षेत्रम् ॥ ५ ॥

ལྷ་རིའི་སུ་སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཞིང་དེ་ནི་སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཞིང་གི་ཡོན་ཏན་བཀོད་སྤྲོད་པ་དེ་ལྟ་སུ་དག་གིས་ལེགས་པར་བརྒྱན་པའོ། །

【什】舍利弗！極樂國土成就如是功德莊嚴。

【奘】舍利子！彼佛土中有如是等眾妙綺飾，功德莊嚴甚可愛樂，是故名為極樂世界。

पुनरपरं शारिपुत्र तत्र बुद्धक्षेत्रे सन्ति हंसाः क्रौञ्चा मयूराश्च । ते त्रिष्कृत्वो रात्रो त्रिष्कृत्वो दिवसस्य संनिपत्य संगीतिं कुर्वन्ति स्म स्वकस्वकानि च रुतानि प्रव्याहरन्ति ।

ལྷ་རིའི་སུ་གཞན་ཡང་འདི་ག་ཉེན་གྱི་ཁམས་བདེ་བ་ཅན་ན་ངང་སྤང་། ལྷང་ལྷང་དང་། མ་སུ་དག་ཡོད་པ་དེ་དག་གི་ཉེན་ལན་གསུམ། མཚོན་ལན་གསུམ་འདུས་ནས་ཡང་དག་པར་བསོ་བར་བྱེད་དེ། རང་རང་གི་སྐད་དག་གིས་སྒྲོའོ། །

【什】復次舍利弗！彼國常有種種奇妙雜色之鳥——白鶴<sup>③</sup>、孔雀、鸚鵡、舍利、迦陵頻伽、共命之鳥。是諸眾鳥，晝夜六時出和雅音，

【奘】又，舍利子！極樂世界淨佛土中，常有種種奇妙可愛雜色眾鳥，所謂：鵝鴈、鶯鶯、鴻鶴、孔雀、鸚鵡、羯羅頻迦、命命鳥等。如是眾鳥，晝夜六時恒共集會，出和雅聲，隨其類音宣揚妙法

तेषां प्रव्याहरतामिन्द्रियबलबोध्यङ्गशब्दो निश्चरति। तत्र तेषां मनुष्याणां तं शब्दं श्रुत्वा बुद्धमनसिकार उत्पद्यते धर्ममनसिकार उत्पद्यते संघमनसिकार उत्पद्यते।

དེ་དག་སྐད་པར་དབང་པོ་དང་སྒྲོ་བས་དང་། ལྷང་རྒྱུ་གྱི་ཡན་ལག་གི་སྐད་དག་འབྱུང་དོ། །སེམས་ཅན་གང་དག་དེར་སྐྱེས་པ་དེ་དག་གིས་སྐད་དེ་ཐོས་ནས་སངས་རྒྱས་ཡིད་ལ་བྱེད་པ་སྐྱེ། ཚོས་ཡིད་ལ་བྱེད་པ་སྐྱེ། དག་འདུན་ཡིན་ལ་བྱེད་པར་སྐྱེའོ། །

【什】其音演暢五根、五力、七菩提分、八聖道分如是等法。其土眾生聞是音已，皆悉念佛、念法、念僧。

【奘】所謂：甚深念住、正斷、神足、根、力、覺、道支等無量妙法。彼土眾生聞是聲已，各得念佛、念法、念僧無量功德熏修其身。

① 樹花=花樹【敦】。

② 遊天住：梵文 दिवाविहाराय（第四格）的直譯，藏文 ཉེན་མོ་གནས་པའི་ཕྱིར་。什譯“飯食經行”當為意譯。

③ 鶴【宋】【元】【明】，鵠【大】。

तत्किं मन्यसे शारिपुत्र तिर्यग्योनिगतास्ते सत्त्वाः। न पुनरेवं द्रष्टव्यम्।

ལྷ་རིའི་སྤྱ་འདི་རི་སྣམ་དུ་སེམས། སེམས་ཅན་དེ་དག་དུང་འགྲོའི་སྐྱེ་གནས་སུ་གྱུར་བ་ཡིན་སྣམ་དུ་སེམས་བ་ལྷ་ལྷ་དེ་ལྷ་ར་མི་བལྟོའོ།།

【什】舍利弗！汝勿謂此鳥實是罪報所生。

【奘】汝舍利子，於意云何？彼土眾鳥豈是傍生惡趣攝耶？勿作是見。

तत्कस्माद्धेतोः। नामापि शारिपुत्र तत्र बुद्धक्षेत्रे निरयाणां नास्ति तिर्यग्योनीनां यमलोकस्य नास्ति।

དེ་ཅིའི་ལྱིར་ཞེས། ལྷ་རིའི་སྤྱ་སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཞིང་དེ་ན་སེམས་ཅན་དམུལ་བ་དང་། དུང་འགྲོའི་སྐྱེ་གནས་དང་། གཤེན་རྗེའི་འདི་གཉེན་དུ་སྐྱེ་བའི་མིང་ཡང་མེད་དོ། །

【什】所以者何？彼佛國土無三惡道<sup>①</sup>。舍利弗！其佛國土尚無三惡道之名，何況有實？

【奘】所以者何？彼佛淨土無三惡趣<sup>②</sup>，尚不聞有三惡趣名，何況有實罪業所招傍生眾鳥？

ते पुनः पक्षिसंघास्तेनामितायुषा तथागतेन निर्मिता धर्मशब्दं निश्चारयन्ति।

བྱའི་ཚོགས་དེ་དག་ནི་དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་ཚོ་དཔག་མེད་དེ་ཉིད་ཀྱིས་ཚོས་ཀྱི་སྐྱ་དབུང་བའི་ལྱིར་སྐྱུལ་བ་དག་གོ།

【什】是諸眾鳥皆是阿彌陀佛欲令法音宣流變化所作。

【奘】當知皆是無量壽佛變化所作，令其宣暢無量法音，作諸有情利益安樂。

एवंरूपैः शारिपुत्र बुद्धक्षेत्रगुणव्यूहैः समलंकृतं तद्बुद्धक्षेत्रम् ॥ ६ ॥

ལྷ་རིའི་སྤྱ་སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཞིང་དེ་ནི་སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཞིང་གི་ཡོན་ཏན་བཀོད་པ་རྣམས་པ་དེ་ལྷ་སྤྱ་དག་གིས་ལེགས་པར་བརྒྱན་པའོ།།

【什】（無）

【奘】舍利子！彼佛土中有如是等眾妙綺飾，功德莊嚴甚可愛樂，是故名為極樂世界。

पुनरपरं शारिपुत्र तत्र बुद्धक्षेत्रे तासां च तालपङ्कीनां तेषां च किङ्किणीजालानां वातेरितानां वल्गुर्मनोज्ञः शब्दो निश्चरति।

ལྷ་རིའི་སྤྱ་གཞན་ཡང་སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཞིང་དེའི་ཉ་ལའི་སྤེང་བ་དེ་དག་དང་། རྗེལ་སྤྱ་གཡེར་གའི་བ་བ་དེ་དག་ལ་སྐྱུང་གིས་སོག་ཅིང་སྐྱུང་གིས་བསྐྱོད་ན་སྐྱ་སྣམ་པ་ཡིད་དུ་འོང་བ། ཉམས་དགའ་བ་འབྱུང་རྟེ།

【什】舍利弗！彼佛國土，微風吹動，諸寶行樹及寶羅網出微妙音

【奘】又，舍利子！極樂世界淨佛土中，常有妙風吹諸寶樹及寶羅網出微妙音。

① 道【宋】【元】【明】，趣【大】。

② 原作“道”，據敦煌本改。

तद्यथापि नाम शारिपुत्र कोटिशतसहस्राङ्गिकस्य दिव्यस्य तूर्यस्य चार्यैः संप्रवादितस्य  
वल्गुर्मनोज्ञः शब्दो निश्चरति एवमेव शारिपुत्र तासां च तालपङ्कीनां तेषां च  
किङ्किणीजालानां वातेरितानां वल्गुर्मनोज्ञः शब्दो निश्चरति। तत्र तेषां मनुष्याणां तं शब्दं  
श्रुत्वा बुद्धानुस्मृतिः काये संतिष्ठति धर्मानुस्मृतिः काये संतिष्ठति संघानुस्मृतिः काये  
संतिष्ठति।

འདི་ལྷ་སྟེ་དཔེར་ན། རོ་ལ་མོ་མཁའ་གྱིས་ཡན་ལག་སྟེ་བ་འབྲུམ་དང་ལྷན་བའི་ལྷ་འུ་ལ་སྟུན་སྒྲངས་པ་བཞིན་ནོ།  
དེར་མེ་དེ་དག་གིས་སྟེ་དེ་མོས་ནས་སངས་རྒྱས་རྗེས་སུ་བྲན་པ་དང་། ཚོས་རྗེས་སུ་བྲན་པ་དང་། དགོ་འདུན་  
རྗེས་སུ་བྲན་པ་ལུས་ལ་གནས་སོ།།

【什】譬如百千種樂同時俱作，聞是音者皆自然<sup>①</sup>生念佛、念法、念僧之心。

【奘】譬如百千俱胝天樂同時俱作，出微妙聲甚可愛玩；如是彼土常有妙風吹眾寶樹及寶羅網，  
擊出種種微妙音聲說種種法。彼土眾生聞是聲已，起佛、法、僧念作意等無量功德。

एवरूपैः शारिपुत्र बुद्धक्षेत्रगुणव्यूहैः समलंकृतं तद्बुद्धक्षेत्रम् ॥ ७ ॥

ལྷ་འུ་ལའི་སུ་སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཞིང་དེ་ནི་སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཞིང་གི་ཡོན་ཏན་བཀོད་པའི་རྒྱན་ལྗང་པ་དེ་ལྷ་སུ་དག་གིས་  
ལྷེགས་པར་བརྒྱན་པའོ། །

【什】舍利弗！其佛國土成就如是功德莊嚴。

【奘】舍利子！彼佛土中有如是等眾妙綺飾，功德莊嚴甚可愛樂，是故名為極樂世界。

又，舍利子！極樂世界淨佛土中，有如是等無量無邊不可思議甚希有事。假使經於百千  
俱胝那庾多劫，以其無量百千俱胝那庾多舌，一一舌上出無量聲讚其功德亦不能盡，是  
故名為極樂世界。

तत्किं मन्यसे शारिपुत्र केन कारणेन स तथागतो ऽमितायुर्नामोच्यते। तस्य खलु पुनः

शारिपुत्र तथागतस्य तेषां च मनुष्याणामपरिमितमायुःप्रमाणम्। तेन कारणेन स

तथागतोऽमितायुर्नामोच्यते ॥ ८ ॥

ལྷ་འུ་ལའི་སུ་འདི་རི་སྟུམ་དུ་སེམས། ཅེདེ་སྤྱིར་དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་ཚེ་དཔག་ཏུ་མེད་ཅེས་སུ་ཞེ་ན།  
ལྷ་འུ་ལའི་སུ་དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་ཚེ་དཔག་མེད་དེའི་ཚེདེ་ཚད་དཔག་ཏུ་མེད་དེ། དེའི་སྤྱིར་དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་  
ཚེ་དཔག་མེད་ཅེས་སུ་འོ།།

【什】又舍利弗！彼佛壽命及其人民，無量無邊阿僧祇劫，故名阿彌陀。<sup>②</sup>

【奘】又，舍利子！極樂世界淨佛土中，佛有何緣名無量壽？舍利子！由彼如來及諸有情，壽

① 自然皆【宋】【元】【明】，皆自然【大】。

② 此處羅什譯本“舍利弗！於汝意雲何？彼佛何故號阿彌陀？舍利弗！彼佛光明無量，照十方國無所障礙，是故號為阿彌陀。”在此句之前。



ལཱ་རིའི་བྱ་གཞན་ཡང་སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཞིང་དེར་སྐྱེ་ས་པའི་སེམས་ཅན་དག་ནི་སྤྱིར་མི་སྣོག་པ། སྐྱེ་བ་གཅིག་གི་ས་མོགས་པའི་བྱང་ཚུབ་སེམས་དབང་དག་པ་ལ་སྟག་གོ། ལཱ་རིའི་བྱ་བྱང་ཚུབ་སེམས་དབང་དེ་དག་གི་ཚད་ནི་བརྗོད་པར་སྤྲོ་བ་མ་ཡིན་ཏེ། གཞན་དུ་ཚད་མེད་གངས་མེད་ཅེས་བྱ་བའི་གངས་སུ་འགྲོ་ལོ།

【什】諸菩薩眾<sup>①</sup>，亦復如是。

又舍利弗！極樂國土眾生者，皆是阿鞞跋致。其中多有一生補處其數甚多，非是算數所能知之，但可以無量無邊阿僧祇<sup>②</sup>說。

【奘】又，舍利子！極樂世界淨佛土中，無量壽佛常有無量菩薩弟子，一切皆是一生所繫，具足種種微妙功德，其量無邊不可稱數，假使經於無數量劫讚其功德終不能盡。

(एवंरूपैः शारिपुत्र बुद्धक्षेत्रगुणव्यूहैः समलंकृतं तद्बुद्धक्षेत्रम्।)<sup>③</sup>

ལཱ་རིའི་བྱ་སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཞིང་དེ་ནི་སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཞིང་གི་ཡོན་ཏན་བཀོད་པ་རྣམས་པ་དེ་ལྟ་བུ་དག་གི་ས་མོགས་པར་བརྒྱན་པའོ།

【什】舍利弗！彼佛國土成就如是功德莊嚴。

【奘】舍利子！彼佛土中有如是等眾妙綺飾，功德莊嚴甚可愛樂，是故名為<sup>④</sup>極樂世界。

तत्र खलु पुनः शारिपुत्र बुद्धक्षेत्रे सत्त्वैः प्रणिधानं कर्तव्यम्।

ལཱ་རིའི་བྱ་དེ་ལྟ་བུ་སྤྲོ་བས་ན་རིགས་ཀྱི་བྱུང་མ་རིགས་ཀྱི་བྱ་མོས་སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཞིང་དེར་སྐྱེ་བར་བྱ་བའི་སྤྱིར་དགེ་བའི་རྩ་བ་རྣམས་སྤྲོ་བར་ཡོངས་སུ་བསྐྱོ་བར་བྱའོ།

【什】舍利弗！眾生聞者，應當發願，願生彼國。

【奘】又，舍利子！若諸有情生彼土者皆不退轉，必不復墮諸險惡趣、邊地下賤蔑戾車中，常遊諸佛清淨國土，殊勝行願念念增進，決定當證阿耨多羅三藐三菩提。舍利子！彼佛土中成就如是功德莊嚴甚可愛樂，是故名為極樂世界。

又，舍利子！若諸有情聞彼西方無量壽佛清淨佛土無量功德眾所莊嚴，皆應發願生彼佛土。

तत्कस्माद्धेतोः। यत्र हि नाम तथारूपैः सत्पुरुषैः सह समवधानं भवति।

དེ་ཅིའི་སྤྱིར་ཞེ་ན། འདི་ལྟར་སྐྱེ་ས་བྱ་དམ་པ་དེ་ལྟ་བུ་དག་དང་མཉམ་པར་འགྱུར་བའི་སྤྱིར་རོ།

【什】所以者何？得與如是諸上善人俱會一處。

【奘】所以者何？若生彼土，得與如是無量功德眾所莊嚴諸大士等同一集會，受用如是無量功德眾所莊嚴清淨佛土，大乘法樂常無退轉，無量行願念念增進，速證無上正等菩提故。

① 諸菩薩【大】。  
② 阿僧祇劫【大】。  
③ 此句梵文本原無。  
④ 名為，【敦】作“為”。



नावरमात्रकेण शारिपुत्र कुशलमूलेन अमितायुषस्तथागतस्य बुद्धक्षेत्रे सत्त्वा उपपद्यन्ते।  
ལྷ་རེ་འི་སྲུ་དགོ་བའི་རྩ་བ་ངན་ངོན་ཅམ་གྱིས་ནི་བཅོམ་ལྡན་འདས་དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་ཆེ་དཔག་མེད་དེའི་ཞིང་དུ་  
སྐྱེ་བར་མི་འགྱུར་རོ།།

【什】舍利弗！不可以少善根福德因緣，得生彼國。

【樊】舍利子！生彼佛土諸有情類成就無量無邊功德，非少善根諸有情類當得往生無量壽佛極樂世界清淨佛土。

यः कश्चिच्छारिपुत्र कुलपुत्रो वा कुलदुहिता वा तस्य भगवतोऽमितायुषस्तथागतस्य  
नामधेयं श्रोष्यति श्रुत्वा च मनसिकरिष्यति  
ལྷ་རེ་འི་སྲུ་རིགས་གྱི་སྲུ་འམ་རིགས་གྱི་སྲུ་མོ་གང་གིས་བཅོམ་ལྡན་འདས་དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་ཆེ་དཔག་མེད་དེའི་  
མཚན་ཐོས་ལ་ཐོས་ནས་ཀྱང་ཡིད་ལ་བྱེད་ཅིང་།

【什】舍利弗！若有善男子、善女人，聞說阿彌陀佛，執持名號，

【樊】又，舍利子！若有淨信諸善男子或善女人，得聞如是無量壽佛無量無邊不可思議功德名號、極樂世界功德莊嚴，聞已思惟

एकरात्रं वा द्विरात्रं वा त्रिरात्रं वा चतुरात्रं वा पञ्चरात्रं वा षड्रात्रं वा सप्तरात्रं वाविक्षिप्तचित्तो  
मनसिकरिष्यति  
རུབ་གཅིག་གམ། རུབ་གཉིས་སམ། རུབ་གསུམ་མམ། རུབ་བཞི་འམ། རུབ་ལྔ་འམ། རུབ་དྲུག་གམ།  
རུབ་བདུན་དུ་གཡེང་བ་མེད་པའི་སེམས་གྱིས་ཡིད་ལ་བྱེད་ན།

【什】若一日、若二日、若三日、若四日、若五日、若六日、若七日，一心不亂。

【樊】若一日夜，或二、或三、或四、或五、或六、或七，繫念不亂。

यदा स कुलपुत्रो वा कुलदुहिता वा कालं करिष्यति, तस्य कालं कुर्वतः  
सोऽमितायुस्तथागतः श्रावकसंघपरिवृतो बोधिसत्त्वगुणपुरस्कृतः पुरतः स्थास्यति।  
सोऽविपर्यस्तचित्तः कालं करिष्यति च। स कालं कृत्वा तस्यैवामितायुषस्तथागतस्य  
बुद्धक्षेत्रे सुखावत्यां लोकधातावुपपत्स्यते।  
རིགས་གྱི་སྲུ་འམ། རིགས་གྱི་སྲུ་མོ་དེ་འཆེ་བའི་དུས་གྱི་ཆེ་ཕྱིན་ཅི་ལོག་མེད་པའི་སེམས་གྱིས་འཆེ་བའི་  
དུས་བྱས་ནས་འཆེ་བའི་དུས་བྱས་པ་དེ་དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་འོད་དཔག་མེད་ཉན་ཐོས་གྱི་དགོ་འདུན་གྱིས་  
ཡོངས་སུ་བསྐྱོར་ཅིང་བྱང་རྒྱལ་སེམས་དཔའི་ཚོགས་གྱིས་མདུན་གྱིས་བཞུས་པའི་མདུན་ན་བཞུགས་པ་  
བཅོམ་ལྡན་འདས་དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་འོད་དཔག་མེད་དེའི་སངས་རྒྱས་གྱི་ཞིང་འཛིག་རྟེན་གྱི་ཁམས་  
བདེ་བ་ཅན་དུ་སྐྱེ་བར་འགྱུར་རོ། །

【什】其人臨命終時，阿彌陀佛與諸聖眾現在其前。是人終時，心不顛倒，即得往生阿彌陀佛極樂國土。

【奘】是善男子或善女人臨命終時，無量壽佛與其<sup>①</sup>無量聲聞弟子、菩薩眾俱前後圍繞，來住其前，慈悲加祐，令心不亂；既捨命已，隨佛眾會，生無量壽極樂世界清淨佛土。

तस्मात्तर्हि शारिपुत्र इदमर्थवशं संपश्यमान एव वदामि सत्कृत्य कुलपुत्रेण वा कुलदुहित्रा वा तत्र बुद्धक्षेत्रे चित्तप्रणिधानं कर्तव्यम् ॥ १० ॥

ཕུ་རེ་འི་སུ་དེ་ལྷ་བས་ན་དོན་གྱི་དབང་དེ་མཐོང་ནས་རིགས་ཀྱི་སུ་འཇལ། རིགས་ཀྱི་སུ་མོས་སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཞིང་དེར་གུས་སར་སློན་ལམ་གདབ་སར་སུའོ་ཞེས་དེ་སྐད་བཟླ་དོ།།

【什】舍利弗！我見是利，故說此言。若有眾生聞是說者，應當發願生彼國土。

【奘】又，舍利子！我觀如是利益安樂大事因緣，說誠諦語。若有淨信諸善男子或善女人，得聞如是無量壽佛不可思議功德名號、極樂世界淨佛土者，一切皆應信受發願，如說修行，生彼佛土。

तद्यथापि नाम शारिपुत्र अहमेतर्हि तां परिकीर्तयामि। एवमेव शारिपुत्र पूर्वस्यां दिशि अक्षोभ्यो नाम तथागतो मेरुध्वजो नाम तथागतो महामेरुर्नाम तथागतो मेरुप्रभासो नाम तथागतो मञ्जुध्वजो नाम तथागतः।

ཕུ་རེ་འི་སུ་ཇི་ལྷར་དེ་བཞིན་གཤེགས་ས་ངས་ད་ལྷར་ཡོངས་སུ་བཟླ་དེ་བཞིན་སུ་ཕུ་རེ་འི་སུ་ཤར་ཕྱོགས་ན་བཙོམ་ལྷན་འདས་དེ་བཞིན་གཤེགས་ས་མི་འཇུགས་བ་ཞེས་བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་ས་ལྷན་པོའི་རྒྱལ་མཚན་ཞེས་བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་ས་ལྷན་པོ་ཞེས་བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་ས་ལྷན་པོ་ཆེན་པོ་ཞེས་བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་ས་ལྷན་པོ་ཆེན་པོ་སྤང་བ་ཞེས་བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་ས་འཇམ་སྐྱ་ཞེས་བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་ས་འཇམ་དབུངས་ཞེས་བྱ་བ་དང་།

【什】舍利弗！如我今者，讚歎阿彌陀佛不可思議功德之利<sup>②</sup>；東方亦有阿閼鞞佛、須彌相佛、大須彌佛、須彌光佛、妙音佛

【奘】又，舍利子！如我今者，稱揚讚歎無量壽佛無量無邊不可思議佛土功德；如是東方亦有現在不動如來、山幢如來、大山如來、山光如來、妙幢如來

एवंप्रमुखाः शारिपुत्र पूर्वस्यां दिशि गङ्गानदीवालुकोपमा बुद्धा भगवन्तः स्वकस्वकानि बुद्धक्षेत्राणि जिह्वेन्द्रियेण संछादयित्वा निर्वेठनं कुर्वन्ति। प्रतीयथ यूयमिदमचिन्त्यगुणपरिकीर्तनं सर्वबुद्धपरिग्रहं नाम धर्मपर्यायम् ॥ ११ ॥

དེ་དག་ལ་སོགས་ས་ཤར་ཕྱོགས་ཀྱི་སངས་རྒྱས་བཙོམ་ལྷན་འདས་གང་གྱི་ལྷུང་གི་ཤེ་མ་སྡེ་དེ་དག་རང་རང་གི་

①【敦】無此“其”字。  
②【大】無“之利”二字。



སངས་རྒྱལ་གྱི་ཞིང་རྣམས་ལྷགས་གྱི་དབང་པོས་ཁེབས་པར་མངོད་དེ། བྱེད་ཅག་ཡོན་ཏན་བསམ་གྱིས་མི་བྱུང་བ་  
ཡོངས་སུ་བརྗོད་པ་སངས་རྒྱལ་ཐམས་ཅད་གྱིས་ཡོངས་སུ་བརྒྱུང་བའི་ཚོས་གྱི་རྣམ་གྲངས་འདི་ལ་ཡིད་ཆེས་པར་  
གྱིས་ཤེག་ཅེས་གསུང་བ་མངོད་དོ། །

【什】如是等恒河沙數諸佛，各於其國出廣長舌相，遍覆三千大千世界，說誠實言：汝等眾生，  
當信是稱讚不可思議功德一切諸佛所護念經。

【樊】如是等佛如殑伽沙住在東方，自佛淨土各各示現<sup>②</sup>廣長舌相，遍覆三千大千世界周匝圍  
繞，說誠諦言：汝等有情皆應信受如是稱讚不可思議佛土功德一切諸佛攝受法門。

एवं दक्षिणस्यां दिशि चन्द्रसूर्यप्रदीपो नाम तथागतो यशःप्रभो नाम तथागतो  
महार्चिःस्कन्धो नाम तथागतो मेरुप्रदीपो नाम तथागतोऽनन्तवीर्यो नाम तथागतः ।

དེ་བཞིན་དུ་ལྷོ་ཕྱོགས་ན་དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་ཉི་ལྔའི་སློན་མ་ཞེས་བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་གྲགས་པ་  
ཞེས་བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་གྲགས་པའི་འོད་ཅེས་བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་འོད་འཕྲོ་ལྷུང་པོ་  
ཞེས་བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་ལྷུན་པོའི་སློན་མ་ཞེས་བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་བཙུན་འགྲུས་  
མཐའ་ཡས་ཞེས་བྱ་བ་དང་།

【什】舍利弗！南方世界有日月燈佛、名聞光佛、大焰肩佛、須彌燈佛、無量精進佛  
【樊】又，舍利子！如是南方亦有現在日月光如來、名稱光如來、大光蘊如來、迷盧光如來、  
無邊精進如來

एवंप्रमुखाः शारिपुत्र दक्षिणस्यां दिशि गङ्गानदीवालुकोपमा बुद्धा भगवन्तः स्वकस्वकानि  
बुद्धक्षेत्राणि जिह्वेन्द्रियेण संछादयित्वा निर्वेठनं कुर्वन्ति। प्रतीयथ  
यूयमिदमचिन्त्यगुणपरिकीर्तनं सर्वबुद्धपरिग्रहं नाम धर्मपर्यायम् ॥ १२ ॥

དེ་དག་ལ་སོགས་པ་ལྷོ་ཕྱོགས་གྱི་སངས་རྒྱལ་བཙུན་པོ་ལྷན་འདས་གང་གྲའི་སླུང་གི་བྱེ་མ་སྟེད་དག་རང་རང་གི་  
སངས་རྒྱལ་གྱི་ཞིང་རྣམས་ལྷགས་གྱི་དབང་པོས་ཁེབས་པར་མངོད་དེ། བྱེད་ཅག་ཡོན་ཏན་བསམ་གྱིས་མི་བྱུང་བ་  
ཡོངས་སུ་བརྗོད་པ་སངས་རྒྱལ་ཐམས་ཅད་གྱིས་ཡོངས་སུ་བརྒྱུང་བའི་ཚོས་གྱི་རྣམ་གྲངས་འདི་ལ་ཡིད་ཆེས་པར་  
གྱིས་ཤེག་ཅེས་གསུང་བ་མངོད་དོ། །

【什】如是等恒河沙數諸佛，各於其國出廣長舌相，遍覆三千大千世界，說誠實言：汝等眾生，  
當信是稱讚不可思議功德一切諸佛所護念經。

【樊】如是等佛如殑伽沙住在南方，自佛淨土各各示現廣長舌相，遍覆三千大千世界周匝圍繞，  
說誠諦言：汝等有情皆應信受如是稱讚不可思議佛土功德一切諸佛攝受法門。

① 殑=[歹\*堯]【敦】。下同。  
② 現=視【明】。

एवं पश्चिमायां दिशि अमितायुर्नाम तथागतोऽमितस्कन्धो नाम तथागतोऽमितध्वजो नाम  
 तथागतो महाप्रभो नाम तथागतो महारत्नकेतुर्नाम तथागतः शुद्धरश्मिप्रभो नाम तथागतः ।  
 དེ་བཞིན་དུ་རྒྱ་ལྷོ་གསལ་ན་དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་ཆེ་དཔག་མེད་ཅེས་བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་སྤང་ལོ་  
 དཔག་མེད་ཅེས་བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་རྒྱལ་མཚན་དཔག་མེད་ཅེས་བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་  
 འོད་ཆེན་ཞེས་བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་འོད་ཟེར་སྤང་བ་ཞེས་བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་རིན་པོ་  
 ཆེའི་ཉོག་ཅེས་བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་འོད་ཟེར་དག་པ་ཞེས་བྱ་བ་དང་།

- 【什】舍利弗！西方世界有無量壽佛、無量相佛、無量幢佛大光佛、大明佛、寶相佛、淨光佛
- 【樊】又，舍利子！如是西方亦有<sup>①</sup>現在無量壽如來、無量蘊如來、無量光如來、無量幢如來大自在如來、大光如來、光焰如來、大寶幢如來、放光如來

एवंप्रमुखाः शारिपुत्र पश्चिमायां दिशि गङ्गानदीवालुकोपमा बुद्धा भगवन्तः स्वकस्वकानि  
 बुद्धक्षेत्राणि जिह्वेन्द्रियेण संछादयित्वा निर्वेठनं कुर्वन्ति। प्रतीयथ  
 यूयमिदमचिन्त्यगुणपरिकीर्तनं सर्वबुद्धपरिग्रहं नाम धर्मपर्यायम् ॥ १३ ॥  
 དེ་དག་ལ་སོགས་པ་རྒྱ་ལྷོ་གསལ་གྱི་སངས་རྒྱལ་བཅོམ་ལྷན་འདས་གང་གླའི་རྒྱུང་གི་བྱེ་མ་སྟེན་དག་རང་རང་གི་  
 སངས་རྒྱལ་གྱི་ཞིང་རྣམས་ལྷགས་གྱི་དབང་ལོས་ཁེབས་པར་མཛད་དེ། བྱེད་ཅག་ཡོན་ཏན་བསམ་གྱིས་མི་བྱུང་བ་  
 ཡོངས་སུ་བརྗོད་པ་སངས་རྒྱལ་ཐམས་ཅད་གྱིས་ཡོངས་སུ་བརྒྱུང་བའི་ཆོས་གྱི་རྣམ་གྲངས་འདི་ལ་ཡིད་ཆེས་པར་  
 གྱིས་ཤིག་ཅེས་གསུང་བ་མཛད་དོ། །

- 【什】如是等恒河沙數諸佛，各於其國出廣長舌相遍覆三千大千世界，說誠實言：汝等眾生，當信是稱讚不可思議功德一切諸佛所護念經。
- 【樊】如是等佛如殍伽沙住在西方，自佛淨土各各示現廣長舌相遍覆三千大千世界周匝圍繞，說誠諦言：汝等有情皆應信受如是稱讚不可思議佛土功德一切諸佛攝受法門

एवमुत्तरायां दिशि महार्चिःस्कन्धो नाम तथागतो वैश्वानरनिर्घोषो नाम तथागतो  
 दुन्दुभिस्वरनिर्घोषो नाम तथागतो दुष्प्रधर्षो नाम तथागतः आदित्यसंभवो नाम तथागतो  
 जलेनिप्रभो नाम तथागतः प्रभाकरो नाम तथागतः ।  
 དེ་བཞིན་དུ་བྱང་ལྷོ་གསལ་ན་དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་འོད་འཕྲོའི་སྤང་ལོ་ཆེན་པོ་ཞེས་བྱ་བ་དང་།  
 དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་ཐམས་ཅད་སློལ་བའི་དབྱངས་ཞེས་བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་རབ་ཏུ་སྤུལ་དགའ་  
 ཞེས་བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་ཉི་མ་འབྱུང་ཞེས་བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་བྱ་བ་ཅན་གྱི་འོད་  
 ཅེས་བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་འོད་གྱི་འབྱུང་གནས་ཞེས་བྱ་བ་དང་།

① 有【宋】【元】【明】，亦有【大】。

【什】舍利弗！北方世界有焰肩佛、最勝音佛、難沮<sup>①</sup>佛、日生佛、網明佛

【樊】又，舍利子！如是北方亦有現在無量光嚴通達覺慧如來、無量天鼓振<sup>②</sup>大妙音如來、大蘊如來、光網如來、娑<sup>③</sup>羅帝王如來

एवंप्रमुखाः शारिपुत्र उत्तरायां दिशि गङ्गानदीवालुकोपमा बुद्धा भगवन्तः स्वकस्वकानि बुद्धक्षेत्राणि जिह्वेन्द्रियेण संछादयित्वा निर्वैठनं कुर्वन्ति। प्रतीयथ

यूयमिदमचिन्त्यगुणपरिकीर्तनं सर्वबुद्धपरिग्रहं नाम धर्मपर्यायम् ॥ १४ ॥

དེ་དག་ལ་སོགས་པ་བྱང་སྡོག་གི་སངས་རྒྱལ་བཅོམ་ལྡན་འདས་གང་གའི་སྐུ་བོ་གྲེ་མ་སྟེན་དག་རང་རང་གི་སངས་རྒྱལ་གྱི་ཞིང་རྣམས་ལྷགས་གྱི་དབང་པོས་ཁེབས་པར་མངོད་དེ། ཟེད་ཅག་ཡོན་ཏན་བསམ་གྱིས་མི་ཁྱབ་པ་ཡོངས་སུ་བརྗོད་པ་སངས་རྒྱལ་ཐམས་ཅད་གྱིས་ཡོངས་སུ་བརྩུང་བའི་ཚོས་གྱི་རྣམ་གྲངས་འདི་ལ་ཡིད་ཆེས་པར་གྱིས་ཤིག་ཅེས་གསུང་བ་མངོད་དོ། །

【什】如是等恒河沙數諸佛，各於其國出廣長舌相遍覆三千大千世界，說誠實言：汝等眾生，當信是稱讚不可思議功德一切諸佛所護念經。

【樊】如是等佛如旃伽沙住在北方，自佛淨土各各示現廣長舌相遍覆三千大千世界周匝圍繞，說誠諦言：汝等有情皆應信受如是稱讚不可思議佛土功德一切諸佛攝受法門。

एवमधस्तायां दिशि सिंहो नाम तथागतो यशो नाम तथागतो यशःप्रभासो नाम तथागतो धर्मो नाम तथागतो धर्मधरो नाम तथागतो धर्मध्वजो नाम तथागतः।

དེ་བཞིན་དུ་འོག་གི་སྡོག་ལ་ན་དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་སངས་ལོ་ཞེས་བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་གྲགས་པ་ཞེས་བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་གྲགས་པ་འོད་ཅེས་བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་ཚོས་ཞེས་བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་ཚོས་འཛིན་ཅེས་བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་ཚོས་གྱི་རྒྱལ་མཚན་ཞེས་བྱ་བ་དང་།

【什】舍利弗！下方世界有師子佛、名聞佛、名光佛、達摩佛、法幢佛、持法佛

【樊】又，舍利子！如是下方亦有現在示現一切妙法正理常放火王勝德光明如來、師子如來、名稱如來、譽光如來、正法如來、妙法如來、法幢如來、功德友如來、功德號如來

एवंप्रमुखाः शारिपुत्र अधस्तायां दिशि गङ्गानदीवालुकोपमा बुद्धा भगवन्तः स्वकस्वकानि बुद्धक्षेत्राणि जिह्वेन्द्रियेण संछादयित्वा निर्वैठनं कुर्वन्ति। प्रतीयथ

यूयमिदमचिन्त्यगुणपरिकीर्तनं सर्वबुद्धपरिग्रहं नाम धर्मपर्यायम् ॥ १५ ॥

དེ་དག་ལ་སོགས་པ་འོག་གི་སྡོག་གི་སངས་རྒྱལ་བཅོམ་ལྡན་འདས་གང་གའི་སྐུ་བོ་གྲེ་མ་སྟེན་དག་རང་རང་གི་སངས་རྒྱལ་གྱི་ཞིང་རྣམས་ལྷགས་གྱི་དབང་པོས་ཁེབས་པར་མངོད་དེ། ཟེད་ཅག་ཡོན་ཏན་བསམ་གྱིས་མི་ཁྱབ་པ་ཡོངས་སུ་བརྗོད་པ་སངས་རྒྱལ་ཐམས་ཅད་གྱིས་ཡོངས་སུ་བརྩུང་བའི་ཚོས་གྱི་རྣམ་གྲངས་འདི་ལ་ཡིད་ཆེས་པར་གྱིས་ཤིག་ཅེས་གསུང་བ་མངོད་དོ། །

① 沮【宋】。  
② 振【宋】【元】【明】【敦】，震【大】。  
③ 娑=婆【敦】。

ཡོངས་སུ་བརྗོད་པ་སངས་རྒྱས་ཐམས་ཅད་ཀྱིས་ཡོངས་སུ་བརྒྱུང་བའི་ཚོས་ཀྱི་རྣམ་གྲངས་འདི་ལ་ཡིད་ཆེས་བར་  
ཀྱིས་ཤེག་ཅེས་གསུང་བ་མཛད་དོ། །

【什】如是等恒河沙數諸佛，各於其國出廣長舌相遍覆三千大千世界，說誠實言：汝等眾生，  
當信是稱讚不可思議功德一切諸佛所護念經

【樊】如是等佛如苑伽沙住在下方，自佛淨土各各示現廣長舌相遍覆三千大千世界周匝圍繞，  
說誠諦言：汝等有情皆應信受如是稱讚不可思議佛土功德一切諸佛攝受法門。

एवमुपरिष्ठायां दिशि ब्रह्मघोषो नाम तथागतो नक्षत्रराजो नाम तथागत इन्द्रकेतुध्वजराजो  
नाम तथागतो गन्धोत्तमो नाम तथागतो गन्धप्रभासो नाम तथागतो महार्चिस्कन्धो नाम  
तथागतो रत्नकुसुमसंपुष्पितगात्रो नाम तथागतः सालेन्द्रराजो नाम तथागतो

रत्नोत्पलश्रीनाम तथागतः सर्वार्थदर्शी नाम तथागतः सुमेरुकल्पो नाम तथागतः ।

དེ་བཞིན་དུ་སྤྱོད་གི་སོགས་ན་དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་ཚངས་པའི་དབྱངས་ཞེས་བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་  
སྐར་མའི་རྒྱལ་སོ་ཞེས་བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་སྣོས་མཚོག་ཅེས་བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་  
སྣོས་འོད་ཅེས་བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་སྣོས་ཀྱི་ཕུང་སོ་ཞེས་བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་  
རིན་ཆེན་མེ་ཉོག་ཤེན་ཏུ་རྒྱས་པའི་རིགས་ཞེས་བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་སྣ་ལའི་དབང་སོའི་རྒྱལ་སོ་ཞེས་  
བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་རིན་ཆེན་ཟུང་པ་ལའི་དབང་ཞེས་བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་མཛོང་བ་  
དོན་ཡོད་ཅེས་བྱ་བ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་རི་རབ་ལྷ་བྱ་ཞེས་བྱ་བ་དང་།

【什】舍利弗！上方世界有梵音佛、宿王佛、香上佛、香光佛、大焰肩佛、雜色寶華嚴身佛、  
娑羅樹王佛、寶華德佛、見一切義佛、如須彌山佛

【樊】又，舍利子！如是上方亦有現在梵音如來、宿王如來、香光如來如紅蓮華勝德如來、示  
現一切義利如來

एवंप्रमुखाः शारिपुत्र उपरिष्ठायां दिशि गङ्गानदीवालुकोपमा बुद्धा भगवन्तः स्वकस्वकानि  
बुद्धक्षेत्राणि जिह्वेन्द्रियेण संछादयित्वा निर्वैठनं कुर्वन्ति। प्रतीयथ

यूयमिदमचिन्त्यगुणपरिकीर्तनं सर्वबुद्धपरिग्रहं नाम धर्मपर्यायम् ॥ १६ ॥

དེ་དག་ལ་སོགས་པ་སྤྱོད་གི་སྣོགས་ཀྱི་སངས་རྒྱས་བཅོམ་ལྷན་འདས་གང་གྱའི་རྒྱུང་གི་བྱེ་མ་སྤྱོད་དག་རང་རང་གི་  
སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཞིང་རྣམས་ལྷགས་ཀྱི་དབང་སོས་ཁེབས་པར་མཛད་དེ། ཞུང་ཅག་ཡོན་ཏན་བསམ་གྱིས་མི་ཁྱབ་པ་  
ཡོངས་སུ་བརྗོད་པ་སངས་རྒྱས་ཐམས་ཅད་ཀྱིས་ཡོངས་སུ་བརྒྱུང་བའི་ཚོས་ཀྱི་རྣམ་གྲངས་འདི་ལ་ཡིད་ཆེས་བར་  
ཀྱིས་ཤེག་ཅེས་གསུང་བ་མཛད་དོ། །

【什】如是等恒河沙數諸佛，各於其國出廣長舌相遍覆三千大千世界，說誠實言：『汝等眾生，  
當信是稱讚不可思議功德一切諸佛所護念經。』

【奘】如是等佛如殑伽沙住在上方，自佛淨土各各示現廣長舌相遍覆三千大千世界周匝圍繞，說誠諦言：汝等有情皆應信受如是稱讚不可思議佛土功德一切諸佛攝受法門。<sup>①</sup>

तत्किं मन्यसे शारिपुत्र केन कारणेनायं धर्मपर्यायः सर्वबुद्धपरिग्रहो नामोच्यते।

ལྷ་རེ་འི་སུ་འདི་ཇི་སྣམ་དུ་སེམས། ཅེ་འི་སྲིར་ཚོས་ཀྱི་རྣམ་གྲངས་འདི་སངས་རྒྱལ་ཐམས་ཅད་ཀྱིས་ཡོངས་སུ་  
བརྩུང་བ་ཞེས་བྱ་ཞེ་ན།

【什】舍利弗！於汝意云何？何故名爲“一切諸佛所護念經”？

【奘】又，舍利子！何緣此經名爲“稱讚不可思議佛土功德一切諸佛攝受法門”？

ये केचिच्छारिपुत्र कुलपुत्र वा कुलदुहितरो वा अस्य धर्मपर्यायस्य नामधेयं श्रोष्यन्ति। तेषां  
व बुद्धानां भगवतां नामधेयं धारयिष्यन्ति। सर्वे ते बुद्धपरिगृहीता भविष्यन्ति।

अविनिवर्तनीयाश्च भविष्यन्ति अनुत्तरायां सम्यक्सम्बोधौ।

ལྷ་རེ་འི་སུ་རིགས་ཀྱི་སུ་འམ་རིགས་ཀྱི་སུ་མོ་གང་དག་ཚོས་ཀྱི་རྣམ་གྲངས་འདི་དང་།

སངས་རྒྱལ་བཅོམ་ལྷན་འདས་དེ་དག་གི་མཚན་ཐོས་བར་གྱུར་བ་དང་། ཐོས་བ་དང་ཐོས་བར་འགྱུར་བ་དེ་དག་།

ཐམས་ཅད་སངས་རྒྱལ་བཅོམ་ལྷན་འདས་རྣམས་ཀྱིས་ཡོངས་སུ་བརྩུང་བར་འགྱུར་རོ།།

【什】舍利弗！若有善男子、善女人，聞是經受持者及聞諸佛名者；是諸善男子、善女人，皆爲一切諸佛共<sup>②</sup>所護念，皆得不退轉於阿耨多羅三藐三菩提。

【奘】舍利子！由此經中稱揚讚歎無量壽佛極樂世界不可思議佛土功德，及十方面諸佛世尊爲欲方便利益安樂諸有情故，各住本土現大神變<sup>③</sup>說誠諦言，勸諸有情信受此法，是故此經名爲“稱讚不可思議佛土功德一切諸佛攝受法門”。又，舍利子！若善男子或善女人，或已得聞，或當得聞，或今得聞，聞<sup>④</sup>是經已，深生信解；生信解已<sup>⑤</sup>，必爲如是住十方面十殑伽沙諸佛世尊之所攝受；如說行者，一切定於阿耨多羅三藐三菩提得不退轉，一切定生無量壽佛極樂世界清淨佛土。

तस्मात्तर्हि शारिपुत्र श्रद्दधाध्वं प्रतीयथ मा काङ्क्षयथ मम च तेषां च बुद्धानां भगवताम्।

① 玄奘本餘：又，舍利子！如是東南方亦有現在最上廣大雲雷音王如來，如是等佛如殑伽沙住東南方，自佛淨土各各示現廣長舌相遍覆三千大千世界周匝圍繞，說誠諦言：汝等有情皆應信受如是稱讚不可思議佛土功德一切諸佛攝受法門。

又，舍利子！如是西南方亦有現在最上日光名稱功德如來，如是等佛如殑伽沙住西南方，自佛淨土各各示現廣長舌相遍覆三千大千世界周匝圍繞，說誠諦言：汝等有情皆應信受如是稱讚不可思議佛土功德一切諸佛攝受法門。

又，舍利子！如是西北方亦有現在無量功德火王光明如來，如是等佛如殑伽沙住西北方，自佛淨土各各示現廣長舌相遍覆三千大千世界周匝圍繞，說誠諦言：汝等有情皆應信受如是稱讚不可思議佛土功德一切諸佛攝受法門。

又，舍利子！如是東北方亦有現在無數百千俱胝廣慧如來，如是等佛如殑伽沙住東北方，自佛淨土各各示現廣長舌相遍覆三千大千世界周匝圍繞，說誠諦言：汝等有情皆應信受如是稱讚不可思議佛土功德一切諸佛攝受法門。

② 之【宋】【元】【明】，共【大】。

③ 說=發【敦】。

④ 聞=如【敦】。

⑤ 【敦】無此四字。



(藏文無)

【什】是故舍利弗！汝等皆當信受我語及諸佛所說。

【奘】是故，舍利子！汝等有情一切皆應信受領解我及十方佛世尊語，當勤精進，如說修行，勿生疑慮。

ये केचिच्छारिपुत्र कुलपुत्रा वा कुलदुहितरो वा तस्य भगवतोऽमितायुषस्तथागतस्य बुद्धक्षेत्रे  
चित्तप्रणिधानं करिष्यन्ति कृतं वा कुर्वन्ति वा सर्वे तेऽविनिवर्तनीया भविष्यन्त्यनुत्तरायां  
सम्यक्संबोधौ। तत्र च बुद्धक्षेत्र उपपत्स्यन्ति। उपपन्ना वा उपपद्यन्ति वा। तस्मात्तर्हि  
शारिपुत्र श्राद्धैः कुलपुत्रैः कुलदुहितृभिश्च तत्र बुद्धक्षेत्रे चित्तप्रणिधिरुत्पादयितव्यः ॥ १७ ॥

ལྷ་རེ་འི་སུ་སེམས་ཅན་གང་དག་བཅོམ་ལྡན་འདས་དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་འོད་དཔག་མེད་དེའི་སངས་རྒྱལ་གྱི་ཞིང་  
འཛིན་ཀྱི་ཁམས་བདེ་བ་ཅན་སུ་སེམས་ཀྱིས་སློབ་པར་བྱེད་པའམ། རྩམ་པའམ། བྱེད་པའ། བྱེད་པར་”  
འགྲུར་བ་དེ་དག་ཐམས་ཅད་སྐྱབ་མེད་པ་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་སྲང་རྒྱལ་ལས་ཕྱིར་མི་སློབ་གོ།  
ཕྱིར་མ་ལོག་གོ་ཕྱིར་མི་སློབ་པར་འགྲུར་རོ།།

【什】舍利弗！若有人已發願、今發願、當發願，欲生阿彌陀佛國者；是諸人等，皆得不退轉於阿耨多羅三藐三菩提，於彼國土若已生、若今生、若當生。是故舍利弗！諸善男子、善女人若有信者，應當發願生彼國土。

【奘】又，舍利子！若善男子<sup>①</sup>或善女人，於無量壽極樂世界清淨佛土功德莊嚴，若已發願，若當發願，若今發願，必為如是住十方面十殞伽沙諸佛世尊之所攝受；如說行者，一切定於阿耨多羅三藐三菩提得不退轉，一切定生無量壽佛極樂世界清淨佛土。是故，舍利子！若有淨信諸善男子或善女人，一切皆應於無量壽極樂世界清淨佛土，深心信解，發願往生，勿行放逸。

तद्यथापि नाम शारिपुत्र अहमेतर्हि तेषां बुद्धानां भगवतामेवमचिन्त्यगुणान् परिकीर्तयामि,  
एवमेव शारिपुत्र ममापि ते बुद्धा भगवन्त एवमचिन्त्यगुणान् परिकीर्तयन्ति।

ལྷ་རེ་འི་སུ་ཇི་ལྟར་ད་ལྟར་སངས་རྒྱལ་བཅོམ་ལྡན་འདས་དེ་དག་གི་ཡོན་ཏན་བསམ་གྱིས་མི་བྱུང་བ་ཡོངས་སུ་”  
བརྗོད་པ་དེ་བཞིན་སུ། ལྷ་རེ་འི་སུ་སངས་རྒྱལ་བཅོམ་ལྡན་འདས་དེ་དག་གྲང་ངའི་ཡོན་ཏན་བསམ་གྱིས་མི་བྱུང་བ་”  
ཡོངས་སུ་བརྗོད་དོ། །

【什】舍利弗！如我今者，稱讚諸佛不可思議功德；彼諸佛等，亦稱讚<sup>②</sup>我不可思議功德，  
【奘】又，舍利子！如我今者，稱揚<sup>③</sup>讚歎無量壽佛極樂世界不可思議佛土功德；彼十方面諸佛世尊，亦稱讚我不可思議無邊功德

①【敦】作“善男”。  
② 稱讚【宋】【元】【明】，稱說【大】。  
③【宋】【元】【明】作“稱揚諸佛”。

सुदुष्करं भगवतां शाक्यमुनिना शाक्याधिराजेन कृतम्। सहायां लोकधातावनुत्तरां  
सम्यक्संबोधिमभिसंबुध्य सर्वलोकविप्रत्ययनीयो धर्मो देशितः कल्पकषाये सत्त्वकषाये  
दृष्टिकषाय आयुष्कषाये क्लेशकषाये ॥ १८ ॥

ལྷ་རིའི་སུ་གསོལ་པ། བཙེམ་ལྷན་འདས་ལྷན་སྐྱབ་པ་ལྷན་འཇུག་པོས་བསྐྱེད་པའི་སྡིགས་མ་དང་།  
ཉོན་མོངས་པའི་སྡིགས་མ་དང་། སེམས་ཅན་གྱི་སྡིགས་མ་དང་། ལྷ་བའི་སྡིགས་མ་དང་།  
ཆེད་སྡིགས་པའི་ཆེ་འདི་ག་རྟེན་གྱི་ཁམས་མི་མཛེད་དུ་སྐྱབ་མེད་པ་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ལུབ་  
མངོན་པར་རྫོགས་པར་སངས་རྒྱས་ཏེ། འདི་ག་རྟེན་ཐམས་ཅད་དང་མི་འཇུག་པའི་ཚོས་བསྐྱབ་པ་ནི་ངོ་མཚར་  
ལགས་སོ།

- 【什】而作是言：“釋迦牟尼佛能為甚難希有之事，能於娑婆國土五濁惡世——劫濁、見濁、煩惱濁、眾生濁、命濁中，得阿耨多羅三藐三菩提為諸眾生說是一切世間難信之法。”
- 【樊】皆作是言：“甚奇希有！釋迦寂靜釋迦法王如來、應、正等覺、明行圓滿、善逝、世間解、無上丈夫、調御士、天人師、佛世尊，乃能於是堪忍世界五濁惡時，所謂：劫濁、諸有情濁、諸煩惱濁、見濁、命濁，於中證得阿耨多羅三藐三菩提為欲方便利益安樂諸有情故，說是世間極難信法。”

तन्ममापि शारिपुत्र परमदुष्करं यन्मया सहायां लोकधातावनुत्तरां सम्यक्संबोधिमभिसंबुध्य  
सर्वलोकविप्रत्ययनीयो धर्मो देशितः सत्त्वकषाये दृष्टिकषाये क्लेशकषाय आयुष्कषाये  
कल्पकषाये ॥ १९ ॥

།བཙེམ་ལྷན་འདས་ཀྱིས་བཀའ་སྐྱེལ་པ། ལྷ་རིའི་སུ་སྡིགས་མ་ལྷའི་ཆེ་འདི་ག་རྟེན་དུ་ངས་གང་འདི་ག་རྟེན་གྱི་  
ཁམས་མི་མཛེད་དུ་སྐྱབ་མེད་པ་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ལུབ་མངོན་པར་རྫོགས་པར་སངས་རྒྱས་ཏེ།  
འདི་ག་རྟེན་ཐམས་ཅད་དང་མི་འཇུག་པའི་ཚོས་བསྐྱབ་པ་དེ་ནི་ངོ་མཚན་ལྟ་དཀའ་བ་བྱེད་པའོ།

- 【什】舍利弗！當知我於五濁惡世，行此難事；得阿耨多羅三藐三菩提，為一切世間說此難信之法，是為甚難！
- 【樊】是故，舍利子！當知我今於此雜染堪忍世界五濁惡時，證得阿耨多羅三藐三菩提，為欲方便利益安樂諸有情故，說是世間極難信法，甚為希有，不可思議。又，舍利子！於此雜染堪忍世界<sup>①</sup>五濁惡時，若有淨信諸善男子或善女人，聞說如是一切世間極難信法，能生信解、受持、演說、如教修行。當知是人甚為希有，無量佛所曾種善根。是人命終定生西方極樂世界，受用種種功德莊嚴清淨佛土大乘法樂，日夜六時親近供養無量壽佛，遊歷十方供養諸佛，於諸佛所聞法受記，福慧資糧疾得圓滿，速證無上正等菩提。

इदमवोचद्भगवानात्तमनाः। आयुष्मान् शारिपुत्रस्ते च भिक्षवस्ते च बोधिसत्त्वाः

① 界中【宋】【元】【明】，世界【大】。

सदेवमानुषासुरगन्धर्वश्च लोको भगवतो भाषितमभ्यनन्दन् ॥ २० ॥

བཅོམ་ལྡན་འདས་ཀྱིས་དེ་སྐད་ཅེས་བཀའ་སྩལ་ནས་ཆེ་དང་ལྡན་པ་ལྷ་རིའི་བྱ་དང་། ཉན་ཐོས་ཆེན་པོ་དེ་དག་དང་།  
བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་དེ་དག་དང་། ལྷ་དང་མི་དང་ལྷ་མ་ཡིན་དང་། འི་ཟུང་བཅས་པའི་འཇིག་རྟེན་ཡི་རངས་ཉེ་་་  
བཅོམ་ལྡན་འདས་ཀྱིས་གསུངས་པ་ལ་མངོན་པར་བསྟོན་དོ། །

【什】佛說此經已。舍利弗及諸比丘，一切世間天、人、阿修羅等，聞佛所說，歡喜信受，作禮而去。

【樊】時，薄伽梵說是經已。尊者舍利子等<sup>①</sup>諸大聲聞，及諸菩薩摩訶薩眾，無量天、人、阿素洛等，一切大眾聞佛所說皆大歡喜信受奉行。

འཕགས་པ་བདེ་བ་ཅན་གྱི་བཀོད་པ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མངོན་པར་སྟོན་པོ།།

①【宋】【元】【明】無此“等”字。